मंगलवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
07 जुलाई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 164
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com
Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दो बाइकों की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क हादसे में देर रात दो तेज रफ्तार बाइकों के आमने-सामने टक्कर हो जाने से जहां तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं दो लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

मामला कोतवाली रुड़की क्षेत्र के रुड़की-कलियर मार्ग स्थित बाजूहेड़ी गांव के पास गंगनहर पटरी मार्ग के समीप का है। यहां दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने की भीषण टक्कर में तीन दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात करीब 10.45 बजे दोनों मोटरसाइकिलें तेज रफ्तार से आमने-सामने आ गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद गंगनहर पटरी मार्ग पर चीख-पुकार मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिविल लाइंस कोतवाली और पिरान कलियर पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों गंभीर रूप से घायल युवकों को उपचार के लिए रुड़की सिविल अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने हादसे में क्षतिग्रस्त दोनों बाइकों को कब्जे में ले लिया है। इनमें से एक बाइक पर उत्तर प्रदेश की नंबर प्लेट लगी थी, जबकि दूसरी बाइक बिना नंबर प्लेट के मिली।

हादसे के बाद घटनास्थल के वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें सड़क पर हादसे की भयावह तस्वीरें दिखाई दे रही हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के अनुसार, बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल पर राजा (19 वर्ष), शिवम (19 वर्ष) और जसवीर (24 वर्ष) सवार थे। तीनों लक्सर क्षेत्र के रहने वाले थे और पिरान कलियर से रुड़की की ओर आ रहे थे। वहीं दूसरी मोटरसाइकिल पर ज्ञानू (27 वर्ष) और दीपक कुमार (25 वर्ष) सवार थे, जो उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के निवासी हैं। डॉक्टरों ने राजा, जसवीर और दीपक कुमार को मृत घोषित कर दिया। जबकि ज्ञानू और शिवम की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें हायर सेंटर एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार हादसे की प्रमुख वजह मानी जा रही है। फिलहाल पुलिस मृतकों की शिनाख्त, घायलों की पहचान और हादसे की परिस्थितियों की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

करोड़ो की हेरोइन सहित पंजाब का नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी कर रहे पंजाब के एक शातिर नशा तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से करोड़ो रूपये की हेरोइन व तस्करी में प्रयुक्त कार बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली गंगनहर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस लाठरदेवा अंडर पास के समीप पहुंची तो उसे वहां खडी कार में एक संदिग्ध व्यक्ति बैठा दिखायी दिया। जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से 980 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम गुरविन्दर सिंह पुत्र दलवीर सिंह निवासी ग्राम नारली थाना खालड़ा जिला तरण तारण पंजाब बताया। बताया कि वह पंजाब से किसी नशा तस्कर से उपरोक्त हैरोइन को खरीदकर रूडकी में बेचने लाया था।

पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बरामद हेरोइन की कीमत लगभग 2 करोड़ रूपये बतायी जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

चेहरे बदलने से नहीं लौटेगा विश्वास

राम मंदिर करोड़ों भारतीयों की आस्था का प्रतीक है। यह केवल एक भव्य मंदिर नहीं, बल्कि दशकों के सामाजिक, सांस्कृतिक और न्यायिक संघर्ष का परिणाम भी है। ऐसे में यदि इस मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर सवाल उठते हैं, तो मामला किसी सामान्य प्रशासनिक विवाद तक सीमित नहीं रहता। यह सीधे उस विश्वास से जुड़ जाता है, जिसके सहारे श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई का अंश भगवान के चरणों में अर्पित करते हैं। भारत में यह प्रवृत्ति नई नहीं है कि किसी भी संस्थान में विवाद होते ही सबसे पहले चेहरे बदल दिए जाते हैं। इससे तत्काल राजनीतिक और सामाजिक दबाव कुछ समय के लिए कम जरूर हो जाता है, लेकिन यदि संस्थागत सुधार नहीं किए जाते, तो वही समस्याएं फिर लौट आती हैं। सवाल व्यक्तियों का कम और व्यवस्था का अधिक होता है। आखिर ऐसी परिस्थितियां पैदा ही क्यों होती हैं, जहां आस्था से जुड़े संस्थानों की कार्यप्रणाली पर उंगली उठने लगे? राम मंदिर का महत्व इसलिए भी अलग है क्योंकि यह केवल उत्तर प्रदेश या अयोध्या तक सीमित नहीं है। देश के कोने-कोने से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। विदेशों में बसे भारतीय भी अपनी श्रद्धा के अनुसार दान भेजते हैं। ऐसे में चढ़ावे का प्रत्येक रुपया केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के विश्वास की अभिव्यक्ति है। इस विश्वास की रक्षा करना ट्रस्ट की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस्तीफा किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नैतिक उत्तरदायित्व का प्रतीक माना जाता है। लेकिन इस्तीफा स्वयं में समाधान नहीं होता। समाधान तब होता है, जब उस घटना से सबक लेकर पूरी व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाया जाए। यदि निगरानी प्रणाली कमजोर रही, यदि लेखा-जोखा पारदर्शी नहीं रहा, यदि जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण नहीं हुआ, तो नए पदाधिकारी भी उसी व्यवस्था का हिस्सा बन जाएंगे, जिसने पहले विवाद को जन्म दिया था। आज देश डिजिटल युग में प्रवेश कर चुका है। बैंकिंग से लेकर रेलवे टिकट, आयकर से लेकर सरकारी भुगतान तक अधिकांश व्यवस्थाएं तकनीक आधारित हो चुकी हैं। फिर धार्मिक संस्थानों में करोड़ों रुपये के चढ़ावे का प्रबंधन भी उसी स्तर की तकनीकी पारदर्शिता से क्यों न जुड़ा हो? प्रत्येक दान की डिजिटल प्रविष्टि, बहु-स्तरीय निगरानी, उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी, स्वतंत्र वित्तीय आडिट और समय-समय पर सार्वजनिक लेखा-जोखा अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं। इससे न केवल अनियमितताओं की संभावना घटेगी, बल्कि श्रद्धालुओं का भरोसा भी मजबूत होगा। देश के अनेक बड़े मंदिरों में अब आधुनिक प्रबंधन प्रणाली अपनाई जा रही है। दान पेटियों की इलेक्ट्रानिक निगरानी, आनलाइन दान का विस्तृत रिकार्ड, स्वतंत्र आडिट और समय-समय पर सार्वजनिक वित्तीय रिपोर्ट जैसी व्यवस्थाएं विश्वास बढ़ाने का काम करती हैं। राम मंदिर जैसा राष्ट्रीय महत्व का संस्थान इन मानकों से पीछे नहीं रह सकता। बल्कि उसे देश के अन्य धार्मिक संस्थानों के लिए आदर्श स्थापित करना चाहिए। इतिहास यह बताता है कि संस्थान व्यक्तियों से नहीं, व्यवस्थाओं से मजबूत होते हैं और यदि व्यवस्था नहीं बदली, तो आज के इस्तीफे कल की नई नियुक्तियों में बदल जाएंगे, लेकिन कुछ समय बाद फिर कोई नया विवाद सामने होगा। तब देश एक बार फिर वही प्रश्न पूछेगा क्या सचमुच सुधार हुआ, या केवल चेहरे बदल दिए गए?

भगवान श्रीराम के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा को जवाब देना होगाः जैन

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता शरद जैन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछले लगभग 35 वर्षों से भगवान श्रीराम की आस्था और भावनाओं को अपनी राजनीति का सबसे बड़ा माध्यम बनाया। चुनाव दर चुनाव जनता से श्रीराम के नाम पर वोट मांगे गए, बड़े-बड़े नारे दिए गए और कहा गया 'हम राम को लाए हैं।' लेकिन आज जो समाचार सामने आ रहे हैं, वे बेहद गंभीर और चिंताजनक हैं। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं और बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति में लैपटॉप खरीद एवं अन्य मामलों में सामने आए कथित भ्रष्टाचार के आरोप यह सवाल खड़ा करते हैं कि क्या भाजपा ने भगवान श्रीराम और सनातन आस्था के नाम पर राजनीति करके सत्ता तो हासिल की, लेकिन जब श्रद्धालुओं की सेवा का अवसर मिला तो भ्रष्टाचार के आरोपों से घिर गई।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट हो या बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति, इन संस्थाओं में भाजपा से जुड़े और भाजपा द्वारा नामित लोगों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं। यदि इन संस्थाओं में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं, तो इसकी नैतिक और राजनीतिक जिम्मेदारी भाजपा नेतृत्व से नहीं बच सकती। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इन आरोपों पर देश और प्रदेश की जनता को जवाब देंगे? क्या भाजपा अब भी भगवान श्रीराम के नाम पर वोट मांगने का नैतिक अधिकार रखती है? क्या मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं को राजनीतिक संरक्षण देकर उनमें पारदर्शिता खत्म नहीं की गई? क्या इन मामलों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों?

बूथ स्तर पर 'किलाबंदी' में जुटी भाजपा

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की आहट के साथ भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी तैयारियों को अब संगठन के सबसे निचले स्तर तक पहुंचाने का फैसला कर लिया है। प्रदेश भाजपा ने अपने विभिन्न संगठनात्मक प्रकोष्ठों के माध्यम से 10 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं की चुनावी फौज मैदान में उतारने की रणनीति तैयार की है। उद्देश्य साफ हैकृसरकार की योजनाओं का लाभ और संदेश सीधे मतदाता तक पहुंचे, बूथ स्तर पर संगठन सक्रिय रहे और चुनावी मुकाबले से पहले कोई भी राजनीतिक खालीपन न बचे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने प्रकोष्ठों की महत्वपूर्ण बैठक में स्पष्ट संदेश दिया कि अब चुनाव केवल बड़े जनसभाओं या सोशल मीडिया से नहीं जीते जाएंगे, बल्कि बूथ, बस्ती और परिवार स्तर पर सतत संपर्क ही जीत की असली कुंजी होगा। उन्होंने सभी प्रकोष्ठों को मंडल और बूथ स्तर तक अपनी मजबूत इकाइयों का गठन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। भाजपा की नई रणनीति पारंपरिक चुनाव प्रचार से आगे बढ़कर माइक्रो मैनेजमेंट पर आधारित दिखाई दे रही है। पार्टी चाहती है कि किसान, युवा, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, व्यापारी, पूर्व सैनिक, चिकित्सा, शिक्षा, विधि, आईटी और अन्य सामाजिक वर्गों से जुड़े प्रकोष्ठ सीधे अपने-अपने समाज के बीच सक्रिय रहें। भाजपा इस माडल के जरिए हर वर्ग तक अलग-अलग संदेश पहुंचाने की तैयारी

◆चुनाव से पहले राजनीतिक खालीपन खत्म करेगी भाजपा, प्रकोष्ठों के जरिए तैयार की जमीनी फौज
◆कार्यकर्ताओं के दम पर बूथ मजबूत करेगी भाजपा, 10 हजार की फौज को मैदान में उतरने का टास्क
◆2027 विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को सूक्ष्म स्तर पर उतारने की रणनीति, हर वर्ग तक पहुंच बनाने पर जोर

कर रही है। इससे पार्टी को स्थानीय मुद्दों की जानकारी भी मिलेगी और संगठन की पकड़ भी मजबूत होगी।

बैठक में कार्यकर्ताओं से कहा गया कि वह सरकार की विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और पिछले वर्षों में हुए कार्यों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं। यानी भाजपा का चुनावी नैरेटिव एक बार फिर विकास और डिलीवरी पर केंद्रित रहने वाला है। पार्टी का आकलन है कि यदि योजनाओं के लाभार्थियों से सीधे संवाद मजबूत हुआ तो सत्ता विरोधी माहौल को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

भाजपा की यह सक्रियता ऐसे समय सामने आई है जब कांग्रेस प्रदेशभर में संगठन विस्तार और परिवर्तन के संदेश के साथ कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने में जुटी है। ऐसे में भाजपा का प्रकोष्ठ अभियान केवल संगठनात्मक कवायद नहीं, बल्कि विपक्ष की राजनीतिक सक्रियता का जवाब भी माना जा रहा है। दोनों दल अब जनसभाओं से ज्यादा कैडर आधारित चुनाव की तैयारी कर रहे हैं, जो पार्टी बूथ स्तर पर मजबूत होगी, वही चुनावी बढ़त हासिल कर सकती है।

भाजपा की कोशिश है कि प्रत्येक बूथ पर ऐसा कार्यकर्ता मौजूद हो, जो स्थानीय मतदाताओं से लगातार संपर्क बनाए रखे। यही वजह है कि प्रकोष्ठों को केवल औपचारिक संगठन नहीं, बल्कि चुनावी अभियान का सक्रिय हिस्सा बनाया जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार आने वाले महीनों में प्रकोष्ठों के प्रशिक्षण शिविर, लाभार्थी सम्मेलन, सामाजिक संवाद कार्यक्रम और घर-घर संपर्क अभियान भी तेज किए जाएंगे। भाजपा की रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू संगठन और सरकार के बीच समन्वय भी है। सरकार की योजनाओं का राजनीतिक लाभ तभी मिलेगा, जब संगठन उन्हें प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाए। यही कारण है कि इस बार संगठनात्मक ढांचे को पहले से अधिक सक्रिय बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

चुनाव से पहले बदला राजनीतिक नैरेटिव

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की सरगर्मियों के बीच प्रदेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक हमले तेज होते जा रहे हैं। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार पर विकास के बजाय विभाजन की राजनीतिृ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने रोजगार, महंगाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और पलायन जैसे मूल मुद्दों पर अपेक्षित परिणाम देने के बजाय राजनीतिक ध्रुवीकरण को प्राथमिकता दी है। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि धामी सरकार ने विकास के नए मानक स्थापित करने के बजाय समाज को विभाजित करने की राजनीति के नए रिकार्ड बनाए हैं। उनका आरोप था कि सरकार जनहित के वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने का प्रयास कर रही है।

दसौनी ने कहा कि प्रदेश की जनता आज रोजगार, महंगाई, पलायन, किसानों की समस्याओं, शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं पर जवाब चाहती है। उनका कहना था कि इन विषयों पर ठोस चर्चा करने के बजाय सरकार लगातार ऐसे मुद्दों को आगे बढ़ा रही है, जिनसे राजनीतिक बहस तो होती है लेकिन आम लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान नहीं निकलता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी उपलब्धियों का ठोस लेखा-जोखा देने के बजाय भावनात्मक और राजनीतिक मुद्दों के सहारे जनमत को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस का कहना है कि जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, भाजपा विकास की उपलब्धियों के बजाय राजनीतिक ध्रुवीकरण को चुनावी रणनीति

◆धामी सरकार विकास के बजाय कर रही विभाजन की राजनीति, कांग्रेस प्रवक्ता दसौनी का हमला
◆कांग्रेस का आरोप, रोजगार और पलायन जैसे मूल मुद्दों को छोड़ ध्रुवीकरण में जुटी प्रदेश सरकार
◆जनहित के वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान भटका रही प्रदेश की धामी सरकार कांग्रेस

का हिस्सा बना रही है। दसौनी ने दावा किया कि प्रदेश में बेरोजगार युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और किसानों के बीच कई सवाल हैं, लेकिन सरकार उन पर खुलकर चर्चा करने से बच रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अपने काम को लेकर आश्वस्त है तो उसे रोजगार सृजन, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा और पलायन रोकने के प्रयासों पर सार्वजनिक बहस के लिए तैयार होना चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता ने भाजपा के विकास संबंधी दावों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार बड़ी घोषणाएं तो करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर उनके परिणाम अपेक्षित नहीं दिखाई देते। उनका आरोप था कि प्रदेश के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में आज भी स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा संस्थान और रोजगार के अवसर बड़ी चुनौती बने हुए हैं। दसौनी ने कहा कि सरकार को यह बताना चाहिए कि युवाओं के लिए स्थायी रोजगार, गांवों से पलायन रोकने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कौन-कौन से ठोस कदम उठाए गए हैं। कांग्रेस ने कहा कि विपक्ष का दायित्व सरकार से जवाब मांगना है और जनता से जुड़े मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। दसौनी ने कहा कि सरकार आलोचना को राजनीतिक विरोध मानने के बजाय उसे सुधार के अवसर के रूप में देखे।

उत्तराखंड की राजनीति अब स्पष्ट रूप से चुनावी मोड में प्रवेश कर चुकी है। कांग्रेस विकास बनाम विभाजन की बहस को प्रमुख मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है, जबकि भाजपा अपने विकास कार्यों और संगठनात्मक मजबूती के आधार पर जनता के बीच जाने की तैयारी में है। आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि चुनावी विमर्श का केंद्र रोजगार, पलायन, महंगाई और विकास जैसे मुद्दे बनते हैं या फिर राजनीतिक और वैचारिक बहसें अधिक प्रभावी रहती हैं। इतना तय है कि 2027 का चुनाव केवल नारों का नहीं, बल्कि जनता के बीच विश्वसनीयता और मुद्दों की लड़ाई भी होगा।

कॉलोनियों में लोगों के घरों में घुसा बारिश का पानी

कोटद्वार(आरएनएस)। बारिश ने नगर निगम के ड्रेनेज सिस्टम की तैयारियों की पोल खोल दी। रविवार सुबह हुई तेज बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। नहरों के ओवरफ्लो होने से सड़कें तालाब में तब्दील हो गई जबकि शिब्बूनगर समेत कई कॉलोनियों में बारिश का पानी लोगों के घरों में भर गया। दो दिनों की उमस और भीषण गर्मी के बाद रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे शुरू हुई तेज बारिश ने मौसम तो सुहावना कर दिया लेकिन शहर की जलनिकासी व्यवस्था की कमजोरियां भी उजागर कर दीं। घराट नहर का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैल गया। सड़क पर जलभराव होने से पैदल राहगीरों और वाहन चालकों की आवाजाही प्रभावित रही। कई दुकानों और मकानों में भी बरसाती पानी घुसने से लोगों को नुकसान उठाना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसाती पानी की निकासी के लिए वे कई बार नगर निगम और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दे चुके हैं लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो सका है। उनका आरोप है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यही हालात बनते हैं और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीईएल रोड और जल निगम स्टोर संपर्क मार्ग पर भी बाढ़ जैसे हालात बन गए। शिब्बूनगर की कई गलियों और कॉलोनियों में जलभराव होने से लोगों के घरों में पानी घुस गया। सिताबपुर चौराहे से मानपुर चौराहे के बीच गांधी कॉलोनी के पास नहर के ओवरफ्लो होने से पानी सड़क पर बहने लगा। इस दौरान पूरे क्षेत्र में यातायात प्रभावित रहा।

अग्निवीर योजना से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़- डॉ. रावत

पौड़ी(आरएनएस)। जिला मुख्यालय में कांग्रेस ने परिवर्तन संकल्प यात्रा के तहत रैली निकाली, जो एजेंसी चौक से प्रेक्षागृह तक पहुंची। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत ने आरोप लगाया कि अग्निवीर योजना लागू होने के बाद प्रदेश के युवा परेशान है। सरकार ने यह योजना लागू कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। कहा कि भाजपा के राज में राममंदिर में घोटाले का मामला सामने आया है लेकिन अभी तक एक भी आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है।उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार विधानसभा चुनाव में 45 से अधिक सीटों पर जीत हासिल करेगी। पूर्व कैबिनेट मंत्री शूरवीर सजवाण ने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर पार्टी का समर्थन बढ़ाने और एकजुट रहने की अपील की। वहीं विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि जनता सरकार से नाराज है और कांग्रेस के प्रति समर्थन बढ़ रहा है, साथ ही गुटबाजी छोड़कर एकजुटता पर जोर दिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, हरिकृष्ण भट्ट, अरूणा कुमार, सुंदरलाल मुयाल, विनोद दनोशी, तामेश्वर आर्य, वीरप्रताप, गौरव सागर, प्रमोद मंद्रवाल आदि शामिल रहे।

हाईवे पर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने की तैयारी

दुगड्डा (कोटद्वार)। कोटद्वार-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुगड्डा से कोटद्वार के बीच दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एनएच खंड धुमाकोट की ओर पुख्ता इंतजाम करने की योजना तैयार की गई है। एनएच खंड की ओर से भारत सरकार को 32 करोड़ का इस्टीमेट भेजा गया है। कोटद्वार-सतपुली-पौड़ी-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अलग-अलग जगहों पर दरकती पहाड़ियां, भू-धंसाव से राजमार्ग क्षतिग्रस्त होने के साथ ही कई जगहों पर संकरा हो गया है। सुरक्षा के लिए आवश्यक क्रश बैरियर सीमित स्थानों पर ही लगे होने से वाहनों की आवाजाही के समय खतरा बना रहता है। बरसात के मौसम में कई संवेदनशील क्षेत्रों में खतरा और भी बढ़ जाता है। विभाग का कहना है कि सिद्धबली मंदिर से चूनाधारा के बीच राजमार्ग पर दुर्घटना पर अंकुश लगाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाने की योजना तैयार की गई है। राजमार्ग के किनारे क्रश बैरियर लगाए जाएंगे। एक इंच जगह भी खाली नहीं छोड़ी जाएगी। जिससे कोई भी वाहन अनियंत्रित होकर सीधे खाई में न गिरे। वर्षा जल निकासी के लिए कच्ची व पक्की नाली का भी निर्माण किया जाएगा। भूस्खलन रोकने के लिए पुश्ते का निर्माण किया जाएगा। जलभराव क्षेत्र में इंटरलॉक टाइल्स लगाकर राजमार्ग को वाहनों की आवाजाही के लिए सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया जाएगा। सिद्धबली से चूनाधारा तक पेंटिंग भी की जाएगी। एनएच 534 धुमाकोट के अपर सहायक अभियंता आशीष सैनी ने बताया कि सिद्धबली से चूनाधारा तक राजमार्ग को सुरक्षित व सुविधाजनक बनाने के लिए 32 करोड़ का इस्टीमेट सरकार को एक माह पूर्व भेजा गया है। बजट स्वीकृत होने पर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इससे जनता का आवागमन सुरक्षित होगा और दुर्घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगेगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पहाड़ के आंगन से खो गई 'जंदूरू' की मधुर तान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ के पुराने घरों में सुबह की शुरुआत अक्सर एक मधुर, लयब(आवाज से होती थी। यह आवाज किसी रेडियो या मंदिर की घंटियों की नहीं, बल्कि जंदूरू की होती थी। घर के एक कोने में रखा पत्थर का वह छोटा-सा संसार, जिसमें गेहूं, मडुवा, झंगोरा और जौं पिसते थे और साथ ही पिसती थीं घर की चिंताएं, थकान और जीवन की कठिनाइयां। जंदूरू केवल आटा पीसने की चक्की नहीं था, बल्कि पहाड़ के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा था। यह घर की आत्मनिर्भरता, महिलाओं की मेहनत और परिवार की एकजुटता का प्रतीक था।

पहाड़ के अधिकांश लोगों की स्मृतियों में एक दृश्य आज भी जिंदा हैकृभोर की पहली किरण, चूल्हे की धीमी आंच और मां का जंदूरू चलाते हुए कोई लोकगीत गुनगुनाना। मां दोनों हाथों से चक्की घुमाती जाती और साथ ही दिनभर के काम की योजना भी बनाती जाती। जंदूरू की घर्र-घर्र की आवाज घर में एक अलग ही संगीत घोल देती थी। बच्चे अभी बिस्तर में होते, लेकिन उन्हें पता चल जाता था कि अब सुबह हो चुकी है। मां के माथे पर पसीना होता, लेकिन चेहरे पर संतोष। क्योंकि जंदूरू से निकलने वाला आटा केवल भोजन नहीं, बल्कि परिवार की मेहनत और प्रेम का स्वाद लेकर आता था।

आज गांवों में बिजली से चलने वाली आटा चक्कियां आ गई हैं। काम आसान हुआ है, समय बचा है, लेकिन जंदूरू का

◆गेहूं, मडुवे संग जहां पिसती थीं जीवन की कठिनाइयां
◆पहाड़ के पुराने घरों की रौनक था यह पारंपरिक यंत्र
◆मशीनी युग ने छीनी पहाड़ के पारंपरिक हुनर की साख
◆अतीत के पन्नों में दफन आत्मनिर्भरता की अनूठी पहचान
◆आधुनिकता की चकाचौंध में कहीं छूट गया है आज जंदूरू

वह स्वाद कहीं पीछे छूट गया। मडुवे की रोटी, झंगोरे का आटा और गेहूं की सोंधी खुशबू, जो हाथ से पिसे आटे में आती थी, वह मशीनों के तेज शोर में कहीं खो गई है। बुजुर्ग आज भी कहते हैं जंदूरू का आटा सिर्फ पेट नहीं भरता था, वह शरीर को ताकत और मन को संतोष भी देता था। जंदूरू पहाड़ की महिलाओं की मेहनत का जीवंत प्रतीक भी है। उन्होंने इसे केवल एक घरेलू उपकरण की तरह नहीं, बल्कि जीवनसाथी की तरह अपनाया। खेतों में काम, पशुओं की देखभाल, पानी और लकड़ी ढोने के बीच जंदूरू चलाना भी उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। शायद यही कारण है कि जंदूरू की आवाज में पहाड़ की महिलाओं के संघर्ष, त्याग और आत्मनिर्भरता की कहानी छिपी है।

आज कई गांवों के पुराने घरों में जंदूरू अब भी मौजूद हैं। किसी कोने में धूल से ढके हुए, किसी छज्जे के नीचे रखे हुए। वे अब आटा नहीं पीसते, लेकिन बीते समय की गवाही जरूर देते हैं। जब गांवों में पलायन बढ़ा, घर खाली हुए और नई पीढ़ी शहरों की ओर चली गई, तो जंदूरू भी धीरे-धीरे खामोश हो गए। उनकी खामोशी मानो यह कहती है कि पहाड़ केवल अपनी आबादी नहीं खो रहा, बल्कि अपनी परंपराएं, अपने स्वाद और अपनी सांस्कृतिक धरोहर भी खो रहा है।

जंदूरू किसी संग्रहालय की वस्तु नहीं, बल्कि पहाड़ की जीवंत संस्कृति का हिस्सा है। नई पीढ़ी को इसके महत्व से परिचित कराना जरूरी है। क्योंकि जो समाज अपनी छोटी-छोटी परंपराओं को भूल जाता है, वह धीरे-धीरे अपनी पहचान भी खोने लगता है। जब भी किसी पुराने पहाड़ी घर के कोने में रखा जंदूरू दिखाई देता है, तो ऐसा लगता है जैसे वह आज भी किसी मां के हाथों के स्पर्श और किसी लोकगीत की प्रतीक्षा कर रहा हो।

चम्पावत बीसूका में फिर अव्वल

चम्पावत(आरएनएस)। चम्पावत जिला बीसूका में एक बार फिर अव्वल रहा है। मई में जिले ने 61.4० प्रतिशत अंक के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बरकरार रखा है। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी दीप्तकीर्ति तिवारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष में जनपद ने कुल 37 रैंकिंग मदों में से 24 में 'ए' श्रेणी हासिल की है। जबकि दो में मदों 'बी' श्रेणी एक में सी और 1० में डी श्रेणी प्राप्त की है। बताया कि कुल 114 अंकों में से 7० अंक प्राप्त कर चम्पावत ने 61.4 प्रतिशत की उपलब्धि दर्ज की है। इधर रुद्रपुर और देहरादून दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं। डीएम मनीष कुमार ने सभी विभागीय अधिकारियों को बधाई देते हुए इसी तरह कार्य करने की अपील की है।

बैंक अधिकारियों ने स्वरोजगार योजनाओं की दी जानकारी

नई टिहरी (आरएनएस)। भारतीय स्टेट बैंक लंबगांव शाखा की ओर से व्यापार मंडल और टैक्सी यूनियन लंबगांव के पदाधिकारियों, व्यापारियों तथा वाहन स्वामियों को वित्तीय जागरूकता के साथ स्वरोजगार के बारे में जानकारी दी।

एसबीआई के मुख्य प्रबंधक प्रदीप सिंह, जितेंद्र सिंह ने कार्यशाला में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि एवं व्यवसायिक ऋण योजनाओं सहित विभिन्न प्रकार की बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी दी। वाहन स्वामियों को बैंक की ओर से संचालित विभिन्न बीमा योजना और उनके लाभों के बारे में जानकारी दी गई।

इस मौके पर प्रतापनगर बैंक शाखा प्रबंधक संजय नेगी, लंबगांव के भुवन ननकानी, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार, टैक्सी यूनियन के यशपाल राणा, उदय रावत, युद्धवीर राणा, अमन राणा, मनीष पंवार, सुमन कैंतुरा, प्रदीप रावत, कविराज बगियाल, जितेंद्र रांगड़ आदि मौजूद थे।

दूषित पानी की आपूर्ति पर नागरिक मंच ने जताया आक्रोश

नई टिहरी(आरएनएस)। नागरिक मंच ने नगर में दूषित पेयजल आपूर्ति होने पर कड़ा आक्रोश जताया है। कहा कि जल संस्थान टिहरी बांध की झील का दूषित पानी पिलाकर लोगों के स्वास्थ्य के खिलवाड़ कर रहा है।

नागरिक मंच की बैठक सामुदायिक मिलन केंद्र बौराड़ी में मंच के अध्यक्ष सुंदरलाल उनियाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि सीएम घोषणा के बाद भी जल संस्थान नगर वासियों के लिए शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु रीह-घुत्तु ग्रेविटी योजना के निर्माण के लिए प्रयास नहीं कर रहा है।झील के पानी के साथ नियमित मिट्टी आ रही है। उन्होंने जिला अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा शुरू करने, नई टिहरी वासियों के भूमि भू-अभिलेख को अलग-अगल कर पृथक खाता बनाए जाने की मांग की। नगर क्षेत्र में लगाए जा रहे बिजली के स्मार्ट मीटरों पर विरोध जताया है। कुलदीप पंवार ने बौराड़ी स्टेडियम में बैडमिंटन हॉल का निर्माण किए जाने से स्टेडियम की लंबाई और चौड़ाई घटने की बात कही।उन्होंने मंच से समर्थन की अपील करते हुए बैडमिंटन हॉल को दूसरी जगह बनने की मांग उठाई। अध्यक्ष उनियाल ने बताया कि मंच के द्विवार्षिक चुनाव अगस्त माह में करवाएं जाने का निर्णय लिया गया है। राज्य आंदोलनकारी डॉ राकेश भूषण गोदियाल और देवेंद्र नौडियाल ने प्रदेश के पर्वतीय जिलों को पांचवीं अनुसूची में शामिल किए जाने पर समर्थन मांगा गया।

बैठक में स्व् बचन सिंह नेगी स्मृति वन वाटिका जे ब्लॉक में पौधरोपण का प्रस्ताव पास किया गया। इस मौके पर संरक्षक सीपी डबराल, महामंत्री जगजीत सिंह नेगी, उपाध्यक्ष चतर सिंह चौहान, भगवान चंद रमोला, कमल सिंह महर, त्रिलोक चंद रमोला, किशोरी लाल चमोली, डॉ यूएस नेगी, सूर्यमणि भट्ट, नरोत्तम जखमोला, भगवान देई तोपवाल, कर्म सिंह तोपवाल, प्रीति चौहान, किशन सिंह रावत, मान सिंह बिष्ट आनंद तोपवाल आद मौजूद थे।

सेल्फी लेते समय अक्सर लोग दो उंगली क्यों उठाते हैं?

आज कल सभी के हाथों में स्मार्ट फोन रहने लगा है। स्मार्ट फोन होने की वजह से लोग सेल्फी के भी दीवाने हो गए हैं। बच्चे हो, युवा हो, नौजवान हो या फिर बूढ़े सभी को सेल्फी लेने का भूत सवार होता है। चाहे कही भी घूमने जाए हर तरह का इंसान फ़ोटो लेना पसंद करता है।

वहीं सेल्फी के दौरान लोग अलग- अलग तरह का पोज़ मारते है। खास करके लड़कियां सेल्फी लेते समय अलग ही पोज़ बनाती है। सेल्फी लेना ज्यादा आपने देखा होगा कि लड़कियों में होती है। क्योंकि वो जहां भी जाती है कुछ भी करती है वो सेल्फी लेने मे पीछे नहीं हटती।

ऐसे में एक ऐसा पोज़ जिसके बारे में लोग बहुत कम जानते होंगे तो चलिए आपको बताते है। कई बार आपने देखा होगा की जब कोई सेल्फी या फोटो क्लिक करवाता है तो दो उंगलियां ऊपर करके दिखाते हैं, अधिकांश लोग इस तरह का पोज देते हुये आपको नजर आते है, लेकिन अधिकतर व्यक्तियों को इस बारे में नहीं पता होता है, की आखिर सेल्फी लेते समय दो उंगलियां क्यों दिखाते हैं?

जब भी कोई व्यक्ति दो उंगली दिखते हुये सेल्फी लेता है, तो इसका मतलब विक्ट्री होता है। आपकी जानकारी के लिए बता दे की जब भी कोई व्यक्ति किसी भी चीज़ में सफलता प्राप्त करता है, तो वह अक्सर वी टाइप में उंगलिया कर सेल्फी लेता हैं। जब हम सेल्फी लेते है तो हम खुश होते है, सेल्फी में दो अंगुली दिखाने के दो मतलब है पहले तो यह वी का आकार होता है जिसका मतलब है विक्टरी और दो अंगुली दिखाने का मतलब यो यो भी है मतलब हम यह सब इन्जॉय कर रहे हैं।

केला भी पहुंचा सकता है आपको नुकसान, जानिए कैसे

केले की गिनती चुनिंदा स्वादिष्ट और गुणकारी फलों में की जाती है। वैसे तो इसे खाने के बहुत सारे फायदे होते हैं। लेकिन कुछ कंडिशन्स में इसे ज्यादा खाने से आपकी सेहत को नुकसान हो सकता है। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं केले से होने वाले नुकसान के बारे में। आइये जानते है।

-केले में नेचुरल शुगर होता है। लेकिन अगर आप इसे अधिक माप में लेते हैं तो यह नुकसान पहुंचा सकता है। बहुत ज्यादा शुगर लेने से कई बार सिरदर्द और नींद में परेशानी हो सकती है।

-जिनका वजन ज्यादा होता है उन्हें केला नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है और ये वजन बढ़ाता है।

-केला खाने से मसल्स कमजोर होती हैं क्योंकि इसमें प्रोटीन कम होता है।

-केले स्टार्च से भरपूर होते हैं जो अंतत: दांतों की सड़न का कारण बन सकते हैं। यह चॉकलेट, च्यूइंग गम या कैंडीज कसे ज्यादा नुकसानदायक हो सकते हैं। जो दांतों को किसी भी तरह से अधिक नुकसान पहुंचाती हैं।

- केले में फ्रक्टोज होता है इसलिए ज्यादा केला खाने से पेट में गेस हो सकती है।

- केले में अमीनो एसिड टाइरोसिन होता है, जो शरीर टायरामाइन में बदलता जाता है। टायरामाइन माइग्रेन सिर दर्द के हमलों और दर्द को ट्रिगर कर सकता है। केले खाने से सिरदर्द या माइग्रेन बढ़ता है क्योंकि इसमें थायरेमिन होता है।

-केला खाने से पेट अच्छे से साफ होता है, लेकिन केले में टैनिट एसिड पाचन तंत्र पर असर करता है। जिन लोगों को अस्थमा है, उन्हें अपने आहार में केले का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे सूजन भी हो जाती है और एलर्जी भी हो जाती है।

-केला अच्छे से पका न हो तो पेट दर्द के साथ उलटी जैसी समस्या भी हो सकती है।

कान में खुजली आने के ये हो सकते हैं कारण, जानें और इनसे बचें

कान में खुजली एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। यह समस्या अक्सर हल्की लगती है, लेकिन इसके पीछे कई गंभीर कारण हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको कान में खुजली के पांच मुख्य कारणों के बारे में बताएंगे, ताकि आप सही समय पर सही उपचार कर सकें और इस असुविधा से राहत पा सकें। इन कारणों को जानकर आप अपने कानों की बेहतर देखभाल कर सकेंगे।

कान में जमी हुई मैल

कान में जमी हुई मैल खुजली का एक प्रमुख कारण हो सकता है। यह मैल समय-समय पर इकट्ठा होती रहती है और अगर इसे साफ नहीं किया जाता तो यह खुजली का कारण बन सकती है। मैल को साफ करने के लिए आप कान के लिए बने विशेष उपकरण का उपयोग कर सकते हैं या फिर डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं। ध्यान रखें कि मैल को साफ करते समय हल्के हाथों से करें ताकि कोई चोट न लगे।

एलर्जी

एलर्जी भी कान में खुजली होने का एक कारण हो सकती है। यह एलर्जी धूल, पराग, जानवरों के बाल या किसी अन्य चीज से हो सकती है, जिससे आपका शरीर प्रतिक्रिया करता है। अगर आपको लगता है कि आपकी खुजली एलर्जी के कारण हो रही है तो डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही इलाज मिल सके। डॉक्टर आपको ऐसी दवाइयां या घरेलू उपायों की सलाह दे सकते हैं, जो आपकी एलर्जी को कम करने में मदद करेंगे।

संक्रमण

कान में संक्रमण होना भी खुजली का एक कारण हो सकता है। यह संक्रमण बैक्टीरिया या फंगस के कारण होता है, जो आपके कान में प्रवेश कर जाते हैं और सूजन या जलन पैदा करते हैं। अगर आपको लगातार खुजली महसूस हो रही हो और उसमें सुधार न आ रहा हो तो डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही इलाज मिल सके और संक्रमण से छुटकारा मिल सके।

नमी

कान में नमी भी खुजली का एक कारण हो सकती है, खासकर अगर आप तैराकी करते हैं या बार-बार पानी में रहते हैं। नमी के कारण फंगस पनप सकते हैं, जो खुजली पैदा कर सकते हैं। अपने कानों को सूखा रखने के लिए तैराकी करते समय कान के लिए बने टोपी पहनें और नहाने के बाद उन्हें अच्छी तरह पोंछें। इसके अलावा नमी वाले वातावरण से बचें और समय-समय पर अपने कानों को साफ रखें।

त्वचा की समस्या

कुछ त्वचा समस्याएं जैसे एक्जिमा या सोरायसिस भी कान में खुजली पैदा कर सकते हैं। इन समस्याओं के कारण सूजन, लालिमा और जलन हो सकती है, जिससे खुजली होती है। अगर आपको अपने कान में सूजन या लालिमा महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही उपचार मिल सके और समस्या का समाधान हो सके। इन कारणों को जानकर आप अपने कानों की बेहतर देखभाल कर सकते हैं और समय रहते उचित उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -080

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

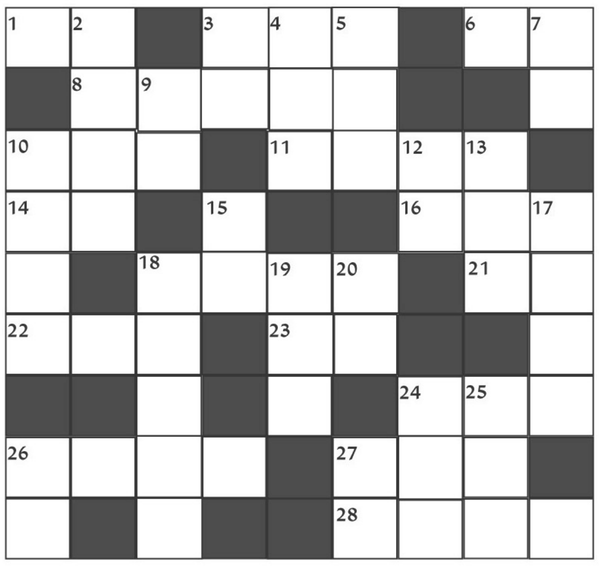

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 79 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा		म	हा	र	त
क		ह					ज	न
	जा	न	की		क	म	नी	य
		त	म	क	ना			
म			त	ह	त		दा	ब
सी	मा			ला		स	न	द
हा	थ	म	ल	ना		वा		च
		द			घा	ल	मे	ल
	ब	द	ह	वा	स			न

जन सुनवाई कार्यक्रम में 90 शिकायतें हुईं दर्ज, 48 का मौके पर निस्तारण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 90 शिकायतें एवं समस्याएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 48 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को आवश्यक कार्रवाई एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

जन सुनवाई कार्यक्रम में आये फरयादी सलेमपुर मेहदूद निवासी ज्ञानचंद ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी खाली पड़ी भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर कबाड़ रखा गया है। उन्होंने भूमि को कब्जामुक्त कराते हुए अवैध कबाड़ हटवाने की मांग की। ग्राम पंचायत हरजौलीजट, विकासखंड नारसन के ग्राम प्रधान ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में मार्गों के सौंदर्यीकरण एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स निर्माण कार्य का कुछ लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है तथा कार्य में लगे लोगों को गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने पुलिस बल की उपस्थिति में निर्माण कार्य संपन्न कराने की मांग की।

भगवानपुर क्षेत्र के एक 70 वर्षीय बुजुर्ग ने शिकायत की कि पैतृक आम के बाग में उनके हिस्से की तैयार फसल को विपक्षी द्वारा जबरन तोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि थाना स्तर पर सूचना देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई तथा अपने हिस्से की फसल की सुरक्षा एवं उचित कार्रवाई की मांग की। ग्राम भोगपुर निवासी अर्जुन कुमार ने बीएसएनएल विभाग में जनरेटर ऑपरेटर के रूप में कार्य करने के दौरान आठ माह के लंबित वेतन का भुगतान कराए जाने की मांग की। कनखल निवासी उमा सिपाहा ने सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा रोकने तथा सड़क निर्माण कराए जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। बहादराबाद निवासी तजेंद्र सिंह ने दौलतपुर क्षेत्र में जलभराव, जलनिकासी व्यवस्था के अभाव तथा गंगा कैनाल के बंधे पर संभावित कटाव को गंभीर बताते हुए ड्रेनेज नालों के निर्माण एवं आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की। निवासी ग्राम बिशनपुर कुंडी (झरड़ा अहतमाल) के घुमंतू एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की ओर से पूर्व में की गई शिकायतों पर कार्रवाई न होने का उल्लेख करते हुए उनके घरों तक विद्युत सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जो शिकायतें बार-बार जनसुनवाई में प्रस्तुत हो रही हैं, उनका विशेष प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ निस्तारण किया जाए ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। बैठक में सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज सभी शिकायतों का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। विशेष रूप से 36 दिनों से अधिक समय से लंबित शिकायतों का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि एल-1 स्तर पर 501 तथा एल-2 स्तर पर 151 शिकायतें लंबित हैं, जिनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

बैठक कर स्मार्ट मीटर का किया विरोध

हरिद्वार(आरएनएस)। शिवालिकनगर क्षेत्र में स्मार्ट मीटर का विरोध करते हुए वरिष्ठ नागरिक कल्याण एवं सेवा समिति ने बैठक का आयोजन किया। बैठक में सभी ने एक स्वर में स्मार्ट मीटर का विरोध किया और जनता को जागरूक करने का निर्णय लिया गया। जिससे प्रत्येक उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सजग रह सके। इस अवसर पर महेश प्रताप सिंह राणा ने कहा कि बिजली विभाग छल कपट से स्मार्ट मीटर लगाने की जबरदस्ती नहीं कर सकता है। लोगों द्वारा चुपचाप बिना सूचना के स्मार्ट मीटर लगाने की शिकायतें आ रही हैं। यदि कोई उपभोक्ता अपनी इच्छा से स्मार्ट मीटर लगवाना चाहता है तो कोई आपत्ति नहीं है लेकिन किसी भी उपभोक्ता पर दबाव बनाकर अथवा उसकी सहमति के बिना जबरन स्मार्ट मीटर बदलना चाहा तो किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। एलएस रावत, राम कुमार गुप्ता ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने से पूर्व उसकी पूरी जानकारी तो मिलनी चाहिए। अचानक से घर के बाहर स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध किया जाएगा। इस अवसर पर सेवा राम कपिल, हरपाल शर्मा, डीएन उनियाल, एलएस रावत, जीसी शर्मा, सीपी सिंह आदि उपस्थित रहे।

राजनीतिक दल मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में करें सहयोगः जिलाधिकारी

हमारे संवाददाता

चम्पावत। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 1 जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत आज जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जनपद के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों एवं उनके प्राधिकृत बूथ लेवल एजेंट (बीएलए)के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करना तथा मृत, स्थानांतरित, अपात्र एवं डुप्लीकेट प्रविष्टियों को हटाकर निर्वाचक नामावली को अधिक शुद्ध, विश्वसनीय एवं अद्यतन बनाना है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग देने की अपील की।

जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों से विशेष रूप से अपील की कि वे अपने बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के माध्यम से एब्सेंट, डेथ एवं शिफ्ट मतदाताओं की सूची का गहन सत्यापन सुनिश्चित करें, जिससे किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से मतदाता सूची से न हटे। उन्होंने आमजन को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति जागरूक करने तथा निर्वाचन कार्मिकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का भी आह्वान किया, ताकि संपूर्ण प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि जनपद में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत मतदाता गणना प्रपत्रों का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अब प्राप्त सूचनाओं एवं अभिलेखों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सत्यापन के दौरान मतदाताओं को उनकी श्रेणी के अनुसार आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे। श्रेणी-ए में 01 जुलाई 1987 अथवा उससे पूर्व जन्मे तथा वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली में दर्ज मतदाताओं से केवल स्वयं का एक अभिलेख लिया जाएगा।

श्रेणी-बी में ऐसे 38 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के मतदाता, जिनका नाम वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं है, उनसे भी केवल स्वयं का एक अभिलेख लिया जाएगा। इसी प्रकार श्रेणी-सी में 02 जुलाई 1987 से 02 दिसंबर 2004 के मध्य जन्मे मतदाताओं को स्वयं का एक अभिलेख तथा माता अथवा पिता में से किसी एक का एक अभिलेख प्रस्तुत करना होगा। जबकि श्रेणी-डी में 03 दिसंबर 2004 से 01 जनवरी 2025 के मध्य जन्मे मतदाताओं को स्वयं का एक अभिलेख तथा माता एवं पिता दोनों के एक-एक अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई 2026 को प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जाएगा। इसके उपरांत 14 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जिन्हें नागरिक ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्रस्तुत कर सकेंगे। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण 11 सितंबर 2026 तक किया जाएगा तथा 15 सितंबर 2026 को अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है अथवा किसी कारणवश हट गया है, अथवा कोई समस्या आ रही है तो वह बुक ए कॉल विथ बीएलओ से संपर्क करके आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक में अपर जिला अधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डीएस अधिकारी, नोडल अधिकारी प्रशिक्षण जीवन कलोनी, विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य भाजपा से शंकर पांडे, सतीश पांडे, कांग्रेस से चिराग फर्त्याल तथा श्याम कार्की सहित अन्य उपस्थित रहे।

जनता मिलन कार्यक्रम में सुनी गयी आम जन की समस्यायें

हमारे संवाददाता

चमोली। जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जिला सभागार, गोपेश्वर में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम के दौरान आमजन की समस्याएं सुनी गईं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त कुल 16 शिकायतों पर सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्राम चमसिल, ग्रामसभा ढामक निवासी जगदीश प्रसाद ने पेयजल मरम्मत कार्य के भुगतान से संबंधित शिकायत दर्ज कराई। इस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को नियमानुसार जांच कर शीघ्र आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वहीं गोपेश्वर निवासी जयंती देवी की सीवरेज संबंधी शिकायत पर अधिशासी अभियंता जल संस्थान एवं अधिशासी अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई कर समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

गोविंद लाल ने खल्ला मंडल स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय की क्षतिग्रस्त चारदीवारी का मामला उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को जनपद के सभी क्षतिग्रस्त विद्यालयों के लिए नाबार्ड के माध्यम से प्रस्ताव तैयार करने तथा नामित कार्यदायी संस्था से प्राथमिकता के आधार पर सभी प्रस्ताव शीघ्र तैयार कराने के निर्देश दिए।

बैनोली निवासी मनमोहन सिंह ने श्रम कार्ड से संबंधित समस्या रखी। जिलाधिकारी ने श्रम अधिकारी को 9 जुलाई को लोल्टी में आयोजित होने वाले श्रम शिविर के साथ आधार पंजीकरण शिविर भी आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को एक ही स्थान पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

इसके अतिरिक्त जगदीश सिंह, सुरेंद्र सिंह सहित अन्य फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों पर भी सुनवाई करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी 16 शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर परियोजना निदेशक आनंद सिंह, पुलिस उपाधीक्षक त्रिवेंद्र सिंह राणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

हरिद्वार महानगर कांग्रेस कार्यकारिणी में 51 कार्यकर्ताओं में मिली जगह

हरिद्वार(आरएनएस)। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हरिद्वार महानगर कांग्रेस की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी है। नई कार्यकारिणी में 50 को कार्यकर्ताओं को जगह मिली है। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से जारी सूची के अनुसार कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर अरुण राघव, राजेश छाछर, आशीष शर्मा, बलराम गिरी, विक्रम शाह, शहाबुद्दीन अंसारी, सुनील कुमार सिंह, धनीराम शर्मा, नितिन यादव और पुनीत कुमार को स्थान दिया गया है। महामंत्री बनाए गए नेताओं में राजीव भार्गव, तरुण व्यास, इसरार सलमानी, विजय प्रजापति, कैलाश भट्ट, तुषार कपिल, उज्ज्वल वालिया, विमल शर्मा, नेहा शर्मा, विवेक भूषण, बादल गोस्वामी, महावीर वशिष्ठ, नोमान अंसारी, हिमांशु गुप्ता और सोहित सेठी शामिल हैं। सचिव पद पर आशीष प्रधान, वसी, अकरम अंसारी, प्रदीप कुमार, प्रीतम बर्मन, करण सिंह राणा, तनीषा गुप्ता, दीपिका गुप्ता, सुनील कुमार प्रजापति, ऋषभ अरोड़ा, दीपक पांडेय, दीपक टंडन, सनी कुमार, शौकत अली, संजय अत्री, अज्जू खान, जावेद खान, महेश चंद ब्राह्मण, अरशद ख्वाजा और मोहित अरोड़ा को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सोनू शर्मा को कार्यालय सचिव, रोहित नेगी को सोशल मीडिया प्रभारी, नितिन तेश्वर और सुमित त्यागी को प्रवक्ता, राम बाबू बंसल को प्रेस एवं मीडिया प्रभारी तथा ओम मलिक को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

स्वरोजगार, ऋण और जमा योजनाओं की जानकारी दी

रुद्रपुर(आरएनएस)। केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के गौरवशाली पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह के तहत ऊधमसिंह नगर में सातवें दिन सोशल मीडिया आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्वरोजगार, ऋण और जमा योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन ऊधमसिंह नगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक और सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम में बैंक के सचिव एवं महाप्रबंधक संदीप कुमार ने सहकारिता सप्ताह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बैंक और सहकारिता विभाग द्वारा संचालित स्वरोजगार, ऋण और जमा योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दौरान एडीसीओ बलराज सिंह राज और बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक हरी सिंह यादव ने भी सहकारिता योजनाओं और उनसे मिलने वाले लाभों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में बैंक के महाप्रबंधक ने सभी प्रतिभागियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार जताया।

सू- दोकू क्र.080

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.79 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

अल्मोड़ा नगर में लगे 15 वाटर कूलर, शहर के प्रमुख स्थलों पर मिलेगी शीतल पेयजल सुविधा

अल्मोड़ा (आरएनएस)। नगर निगम अल्मोड़ा ने नगरवासियों और पर्यटकों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर करीब 25 लाख रुपये की लागत से 15 वाटर कूलर स्थापित किए हैं। भैरव मंदिर परिसर में लगाए गए वाटर कूलर का शुभारंभ महापौर अजय वर्मा, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा और स्थानीय पार्षद अमित साह मोनू ने संयुक्त रूप से किया।

नगर निगम के अनुसार सभी वाटर कूलर शहर के प्रमुख एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगाए गए हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, छात्र-छात्राएं, व्यापारी, श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। इनकी स्थापना से गर्मी के मौसम में लोगों को स्वच्छ और ठंडा पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। महापौर अजय वर्मा ने कहा कि नगर निगम लगातार नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा हर नागरिक का अधिकार है और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर वाटर कूलर स्थापित होने से प्रतिदिन हजारों लोगों को लाभ मिलेगा। नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा ने बताया कि सभी वाटर कूलरों के नियमित रखरखाव, साफ-सफाई और संचालन की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को लगातार गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर को अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाने के लिए जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। स्थानीय पार्षद अमित साह मोनू ने कहा कि भैरव मंदिर सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर वाटर कूलर लगने से स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। नगर निगम ने नागरिकों से सार्वजनिक सुविधाओं का जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने और उनकी स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। कार्यक्रम में सहायक नगर आयुक्त लक्ष्मण सिंह भंडारी, पार्षद अभिषेक जोशी, आशा बिष्ट, राधा मटियानी, पूनम त्रिपाठी सहित नगर निगम के जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

सलेमपुर की मुख्य सड़क पर लगा कूड़े का ढेर, ग्रामीण परेशान

हरिद्वार (आरएनएस)। स्वच्छता अभियान के दावों के बीच सलेमपुर गांव की मुख्य सड़क पर कई दिनों से कूड़े का ढेर लगा है। ग्रामीणों ने शिकायतों के बावजूद सफाई नहीं होने पर नाराजगी जताई है। विकासखंड बहादराबाद के सलेमपुर गांव में मुख्य सड़क पर जमा कूड़े के ढेर से लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। सिडकुल हाईवे पर चौहल सिंह द्वार से सलेमपुर गांव जाने वाले मार्ग पर कई दिनों से कूड़ा पड़ा होने के कारण आधी सड़क घिर गई है, जिससे वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग सिडकुल, जिला मुख्यालय और बाजार की ओर आते-जाते हैं। सड़क पर फैली गंदगी और उससे उठ रही दुर्गंध के कारण लोगों का यहां से गुजरना मुश्किल हो गया है। उनका आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो जनप्रतिनिधियों और न ही ग्राम पंचायत प्रशासन ने समस्या का समाधान कराया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले महीने जिलाधिकारी ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर जिले को साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए थे, लेकिन सलेमपुर में इन निर्देशों का असर दिखाई नहीं दे रहा है।

बदहाल सड़क के गड्ढों का पूजन कर जताया विरोध

उत्तरकाशी (आरएनएस)। सड़क मरम्मत की लगातार अनदेखी से आक्रोशित मोरी प्रखंड के सात गांवों के ग्रामीणों ने विरोध का अनोखा तरीका अपनाया। ग्रामीणों ने सारथी नामे तोक में बदहाल सड़क के गहरे गड्ढों का पूजन कर शासन-प्रशासन का ध्यान समस्या की ओर खींचते हुए तत्काल सड़क सुधार की मांग की।मोरी के गैंचवाण, देवरा, गुराड़ी, पेंसर, हलटाड़ी, दंणगाण और पोखरी गांव के ग्रामीणों ने वर्षों से जर्जर पड़े मोटर मार्ग की मरम्मत की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने सारथी नामे तोक में सड़क पर बने गहरे गड्ढों का विधिवत पूजन कर सरकार और प्रशासन की सद्बुद्धि की कामना की। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क सात गांवों की जीवनरेखा है। हजारों लोगों का दैनिक आवागमन इसी मार्ग से होता है। सेब सहित बागवानी और कृषि उत्पाद भी इसी सड़क के जरिए विभिन्न फल मंडियों तक पहुंचाए जाते हैं।इसके बावजूद वर्षों से सड़क की हालत बेहद खराब बनी हुई है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

लावारिश पशु फसलों को पहुंचा रहे नुकसान

विकासनगर(आरएनएस)। कालसी तहसील क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में लावारिस पशु और जंगली जानवर फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। जिसका सीधा नुकसान काश्तकारों को उठाना पड़ रहा है। काश्तकारों ने वन मंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर फसलों के बचाव के लिए घेरबाड़ करने की मांग की है।वन मंत्री को प्रेषित ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि तहसील कालसी क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण इलाकों लखवाड, धनपौ ,हावड़ा, जखनौग भिस्तौ आवारा पालतू पशु और जंगली जानवर फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। काश्तकार बलवीर सिंह, अजीत चौहान, जसपाल सिंह, शूरवीर सिंह तोमर, आनंद सिंह, करम सिंह, महिदर सिंह, संदीप तोमर, पुनीत चौहान, सतपाल, सुभाष, विजय पाल सिंह आदि का कहना है कि क्षेत्र में काश्तकारों की फसलों को आवारा पशुओं और जंगली जानवर नुकसान पहुंचाते हैं। काश्तकारों की देखभाल करने के बावजूद रात के समय आवारा पशु व जंगली जानवर खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे काश्तकारों के सामने अपनी रोजी-रोटी कभी संकट पैदा हो गया है। कई किसानों ने आवारा पशुओं व जंगली जानवरों के फसलों के नुकसान करने के कारण खेतों को खाली छोड़ना शुरू कर दिया है।

अल्मोड़ा कप ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

अल्मोड़ा (आरएनएस)। कर्नाटक खोला रामलीला मंच में अल्मोड़ा कप ताइक्वांडो चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु एवं भार वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महापौर अजय वर्मा और राज्य मंत्री गंगा बिष्ट मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

आयोजन समिति के मुख्य संयोजक बिट्टू कर्नाटक ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य खिलाड़ियों को राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता में पी-वी, सब-जूनियर, कैडेट और जूनियर वर्ग के खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए। प्रतियोगिता का संचालन हेमवंती नंदन बहुगुणा स्पोर्ट्स स्टेडियम की ताइक्वांडो कोच वंदना भंडारी ने किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता से पूर्व आयोजित प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को तकनीकी कौशल, आत्मरक्षा, संतुलन और शारीरिक फिटनेस का विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिससे खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया।

महापौर अजय वर्मा ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का मजबूत आधार हैं। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा के खिलाड़ियों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की पूरी क्षमता है। राज्य मंत्री गंगा बिष्ट ने कहा कि जनपद में खेल गतिविधियों को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में युवा खेलों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों में विधि थापा, नित्या सिंह, गर्विता बिष्ट, आराध्या देवड़ी, मान्या वर्मा, सोम्या आर्य, पार्थ पाठक सहित 71 खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

कार्यक्रम में हयात सिंह बिष्ट, कमलेश कर्नाटक, रमेश जोशी, अमर बोरा, अभिषेक तिवारी, प्रकाश मेहता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश से आए कोच, रेफरी और खिलाड़ियों ने भी सहयोग किया।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार थाना नेहरू कॉलोनी पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए थाना क्षेत्रान्तर्गत चैकिंग के दौरान 02 नशा तस्करों तरुण उर्फ चीनू पुत्र नरेंद्र, निवासी ब्रह्मपुरी, थाना पटेल नगर तथा विकास पुत्र योगेंद्र, निवासी ग्राम किनौनी, थाना बुढ़ाना, जिला मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश, हाल पता चंद्रबनी, को फव्वारा चौकी क्षेत्र से 46 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तों द्वारा तस्करी में प्रयुक्त की जा रही स्कूटी को सीज किया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूछताछ में उनके द्वारा बताया कि वह दोनो नशे के आदि है तथा उक्त स्मैक को वो दोनों नजीबाबाद से एक स्थानीय नशा तस्कर से खरीदकर लाये थे, जिसमें से कुछ स्मैक को वह अपने नशे के लिए इस्तेमाल करते तथा बाकी को नशे के आदि स्थानीय व्यक्तियों को महंगे दामों में बेचकर मुनाफा कमाने कि फिराक में थे, पर उससे पूर्व ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सुरक्षा बलों की तत्परता से श्रद्धालु के चेहरे पर लौटी मुस्कान

हमारे संवाददाता

चमोली। हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान मार्ग में खो गये फोन को सुरक्षा बलों की सर्तकता से बरामद कर लिया गया। जिस पर श्रद्धालू द्वारा सुरक्षा बलों को धन्यवाद देकर उनका आभार व्यक्त किया गया। बीते रोज प्रभजोत सिंह पुत्र मनजीत सिंह, निवासी पटियाला (पंजाब), श्री हेमकुंड साहिब के दर्शन कर वापस गुरुद्वारा घांघरिया लौट रहे थे। इस दौरान अटला कोटी के समीप उनका मोबाइल फोन कहीं रास्ते में गिर गया। काफी तलाश के बाद भी मोबाइल नहीं मिलने पर उन्होंने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों से सहायता मांगी। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह गुसाईं, फैरामेडिकल कमल सिंह, फायरमैन वीरेंद्र सिंह, होमगार्ड कुलदीप तथा घांघरिया चौकी के कांस्टेबल गौरव नेगी ने तत्काल खोज अभियान चलाया। टीम की सतर्कता एवं अथक प्रयासों से कुछ ही समय में मोबाइल फोन बरामद कर उसे उसके वास्तविक स्वामी को सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने पर प्रभजोत सिंह ने सुरक्षा बलों का हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि यात्रा मार्ग पर तैनात पुलिस एवं अन्य सुरक्षा बल श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी हर छोटी-बड़ी परेशानी में भी परिवार की तरह साथ खड़े रहते हैं।

रिजर्व पुलिस लाईन मालता बागेश्वर में मंगलवार की परेड का आयोजन

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। पुलिस अधीक्षक बागेश्वर के आदेशानुसार, रिजर्व पुलिस लाइन मालता में आज परेड का आयोजन किया गया। पुलिस उपाधीक्षक कपकोट मनीष शर्मा की उपस्थिति में आयोजित परेड में पुलिस लाइन की समस्त शाखाओं, मदों, गणना के हकदार जवानों ने प्रतिभाग किया।

परेड के दौरान पुलिस उपाधीक्षक द्वारा जवानों के टर्नआउट का बारीकी से निरीक्षण किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उच्च स्तर का अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। परेड के दौरान पुलिसकर्मियों ने तेज चाल, ड्रिल और शस्त्राभ्यास किया। साथ ही उन्हें सैल्यूट और स्क्वाड ड्रिल की बारीकियां सिखाई गईं। पुलिस उपाधीक्षक द्वारा बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन और नियमित व्यायाम पर जोर दिया गया जिससे जवान अपनी ड्यूटी का निर्वहन अधिक ऊर्जा के साथ कर सकें। साथ ही कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जवानों को शस्त्रों के संचालन और रख-रखाव की जानकारी दी गई।

चिन्यालीसौड़ में खुलेगा सेंट्रल स्कूल, सीएम ने दिया आश्वासन

❑ओबीसी समुदाय के छात्रों के लिए देहरादून में छात्रावास पर भी सीएम के निर्देश पर चल रही कार्यवाही

हमारे संवाददाता

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि उत्तरकाशी जनपद के विकासखण्ड चिन्यालीसौड़ मे केंद्रीय विद्यालय की स्थापना और देहरादून मे रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए ओबीसी छात्रावास बनाने के लिए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उन्हे आश्वस्त किया है। सीएम से भेंट कर दिये ज्ञापन मे सीएम ने सचिव विधालयी शिक्षा और सचिव समाज कल्याण को कार्यवाही के लिए निर्देश दिये हैं।

सीएम पुष्कर धामी को दिये पत्र मे चौहान ने कहा कि क्षेत्रीय मांग के अनुरूप केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना की जानी जरूरी है। विकासखण्ड चिन्यालीसौड़ उत्तरकाशी व टिहरी का एक केन्द्र बिन्दु है, जहाँ से दोनो जनपदो के निवासियों की अवाजाही निरन्तर बनी रहती है।

विकासखण्ड चिन्यालीसौड में कंद्रीय विद्यालय की क्षेत्र की जनता की बहुत पुरानी मांग है। इस स्थान पर केंद्रीय विद्यालय खुलने से उत्तरकाशी व टिहरी के गरीब छात्रो को सस्ती व गुणवत्तापरक शिक्षा प्राप्त होगी। साथ ही इस सीमान्त क्षेत्र में शिक्षा का स्तर उंचा होगा। उन्होंने कहा कि उक्त क्षेत्र से जुड़े समस्त जनप्रतिनिधियों व स्थानीय जनता द्वारा कई वर्षो पूर्व से केन्द्रीय विद्यालय की मांग की जा रही है, सीमान्त व पहाडी क्षेत्र होने के कारण यहां पर केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना की जाती है तो यह जनभावनाओं का सम्मान होगा। सीएम ने इसके लिए सचिव विधालयी शिक्षा को निर्देश दिये हैं।

जनजाति छात्रावास की तर्ज पर ओबीसी समुदाय के छात्रों के लिए देहरादून में छात्रावास का निर्माण के सम्बन्ध में दिये पत्र मे चौहान ने कहा कि देहरादून में ओबीसी समाज के बहुत से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते हैं जिसमें से कई छात्र- छात्राओं की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण पठन-पाठन में बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके लिये देहरादून में ओबीसी छात्रावास बनाया जाय जिसका लाभ गरीब परिवार के विद्यार्थियों को मिल सकेगा। सीएम ने प्रमुख सचिव समाज कल्याण को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये है। चौहान ने कहा कि कंद्रीय विद्यालय और ओबीसी छात्रावास निश्चित तौर पर धरातल पर उतरेगी और शासन स्तर पर इसमें कार्यवाही शुरू हो गयी है।

जिलाधिकारी को पत्र भेजकर जन समस्याओं के समाधान की मांग की

संवाददाता

देहरादून। अधिवक्ता एनके गुसाई ने मेल से पत्र भेजकर जिलाधिकारी को मोहकमपुर क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की मांग की।

आज यहां वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता एन. के. गुसाई ने जिलाधिकारी देहरादून को मेल से पत्र भेजकर वार्ड संख्या 67 मोहकमपुर क्षेत्र की गंभीर जनसमस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि मोहकमपुरखनवादा रोड स्थित शिवनारायण विहार कॉलोनी मुख्य सड़क से काफी नीचे स्थित है, जिसके कारण हर साल वर्षात का पानी सीधे शिवनारायण विहार कॉलोनी के घरों में प्रवेश कर जाता है। इससे स्थानीय निवासियों को जलभराव और भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि सड़क के दोनों ओर कुछ लोगों द्वारा नालियों पर अवैध कब्जा कर क्यारियों का निर्माण कर लिया गया है तथा लोक निर्माण विभाग अस्थाई खंड ऋषिकेश द्वारा बिना सड़क खोदे सीमेंट की बड़ी टाइल लगाकर सड़क निर्माण किए जाने से सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है। इससे पहले से ऊंची सड़क और अधिक ऊंची हो गई है। एन. के. गुसाईं ने बताया कि इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन 1905 तथा नगर निगम देहरादून में कई बार शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। नगर निगम के अधिकारी कई बार मौके का निरीक्षण भी कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि नगर निगम, लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर सड़क किनारे हुए अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए, दोनों ओर नालियों का निर्माण कराया जाए तथा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हुए क्षेत्रवासियों की समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाए। एन. के. गुसाई ने कहा कि यह मांग क्षेत्र के दर्जनों परिवारों के हित से जुड़ी है और प्रशासन को जनहित में इस विषय पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

स्व. राजेन्द्र सिंह तोमर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। शिक्षा के क्षेत्र के प्रेरणास्रोत एवं महाविद्यालय की स्थापना के स्वप्नदृष्टा स्वर्गीय राजेन्द्र सिंह तोमर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

आज यहां सरदार महिपाल राजेन्द्र जनजातीय (पी.जी.) महाविद्यालय, साहिया में शिक्षा के क्षेत्र के प्रेरणास्रोत एवं महाविद्यालय की स्थापना के स्वप्नदृष्टा स्वर्गीय राजेन्द्र सिंह तोमर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं अन्य उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके व्यक्तित्व और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान का स्मरण किया। महाविद्यालय के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर ने कहा कि वर्ष 1980 के दशक में साहिया में डिग्री कॉलेज की स्थापना को लेकर चले ऐतिहासिक जनआंदोलन में स्व. राजेन्द्र सिंह तोमर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनका दृढ़ विश्वास था कि जब तक जौनसार-बावर के युवाओं को अपने क्षेत्र में ही उच्च शिक्षा उपलब्ध नहीं होगी, तब तक क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है। उनकी दूरदर्शी सोच और अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि आज यह महाविद्यालय जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। प्राचार्य डॉ. रवि कुमार ने बताया कि आज इस संस्थान से दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से हजारों और नियमित पाठ्यक्रमों से सैकड़ों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और पासआउट हो चुके अनेक छात्र-छात्राएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न सेवाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विशेष रूप से आर्थिक एवं सामाजिक कारणों से शहरों में जाकर अध्ययन करने में असमर्थ जनजातीय विद्यार्थियों के लिए यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा का सशक्त माध्यम बनकर उनके सपनों को साकार कर रहा है और प्रतिवर्ष सैकड़ों छात्र-छात्राएं इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

इस अवसर पर महाविद्यालय की उपप्राचार्य डॉ. प्रियंका जलाल, डॉ. चंद्रिका, रीता तोमर, अक्षय तोमर, नितिन तोमर, गंभीर चौहान, रितेश चौहान, मुकेश तोमर, साहिल राय, गीता देवी, सहित महाविद्यालय परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने केदारनाथ पुनर्निर्माण और पुनर्विकास कार्य एवं बद्रीनाथ मास्टर प्लान कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि केदारनाथ धाम एवं बद्रीनाथ धाम में जो भी असेट्स एवं सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं, उनके ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस के लिए फ्रेमवर्क तैयार कर लिया जाए।

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सचिवालय में केदारनाथ पुनर्निर्माण और पुनर्विकास कार्य एवं बद्रीनाथ मास्टर प्लान कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने केदारनाथ पुनर्निर्माण से सम्बन्धित कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक कार्य के भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के साथ ही पूर्ण होने की समयसीमा की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने कहा कि केदानाथ धाम में जिन 6 ब्लॉक्स का कार्य शुरू किया जाना है, उन्हें तत्काल शुरू कराया जाए। उन्होंने निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण कराए जाने हेतु प्रत्येक कार्य की लगातार मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को केदारनाथ धाम यात्रा क्षेत्र के लिए एक व्यापक एवं एकीकृत कूड़ा प्रबंधन योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार के कूड़े के डिस्पोजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने आश्वासन दिया कि जो भी वित्तीय, तकनीकी और अन्य सहयोग की आवश्यकता होगी, वह उपलब्ध करायी जाएगी। मुख्य सचिव ने बद्रीनाथ मास्टरप्लान फेज 1 और फेज 2 के कार्यों की प्रगति की भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी ली एवं प्रत्येक कार्य के पूर्ण होने की समयसीमा के अनुसार कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट में निहित सभी प्रकार के कंटेंट और आर्ट वर्क को साथ साथ शुरू कराया जाए। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि केदारनाथ धाम एवं बद्रीनाथ धाम में जो भी असेट्स एवं सुविधाएं स्थापित की जा रही हैं, उनके ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस के लिए फ्रेमवर्क तैयार कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि इनके संचालन के लिए संस्थाएं पूर्व निर्धारित रहेंगी तो हैंड ओवर करने के उपरांत मेंटेनेंस आदि की जिम्मेदारी निर्धारण में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर सचिव धीराज गर्ब्याल, अपर सचिव विनीत कुमार एवं सम्बन्धित जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

उपचार एवं पुनर्वास सेवाओं को ओर प्रभावी बनाया जाएः कुमार

संवाददाता

देहरादून। निदेशक समाज कल्याण संजय कुमार ने कहा कि नशा मुक्त उत्तराखण्ड के लक्ष्य को साकार करने के लिए उपचार एवं पुनर्वास सेवाओं को ओर प्रभावी बनाया जाये।

आज यहां निदेशक समाज कल्याण, उत्तराखंड संजय कुमार ने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय नशा मुक्ति केंद्र, रायवाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध उपचार, परामर्श, पुनर्वास, चिकित्सीय सुविधाओं, साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था तथा अभिलेखों के रखरखाव का गहन अवलोकन किया। निदेशक ने केंद्र में भर्ती लाभार्थियों से संवाद कर उनके स्वास्थ्य, उपचार एवं पुनर्वास संबंधी अनुभवों की जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक लाभार्थी को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं संवेदनशील सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसका प्रभाव परिवार एवं समाज पर भी पड़ता है। इसलिए नशा मुक्ति केंद्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इन्हें उपचार के साथ-साथ प्रभावी परामर्श एवं पुनर्वास का भी केंद्र बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नशा मुक्ति के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, पुनर्वास सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही केंद्र में स्वच्छता, अनुशासन एवं मानकों के अनुरूप सेवाएं सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान जी. आर.नौटियाल, संयुक्त निदेशक समाज कल्याण, उत्तराखंड, वासुदेव आर्य उपनिदेशक समाज कल्याण, दीपांकर घिल्डियाल जिला समाज कल्याण अधिकारी, देहरादून तथा डॉ. वैशाली केंद्र प्रभारी, राजकीय नशा मुक्ति केंद्र, रायवाला उपस्थित रहे। अधिकारियों ने निदेशक को केंद्र की कार्यप्रणाली, उपलब्धियों तथा संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी भी दी। समाज कल्याण विभाग ने पुनः यह संकल्प व्यक्त किया कि राज्य में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाते हुए नशा मुक्त उत्तराखंड के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

70 सीटों का 'मैजिक' नंबर 36

◆चुनाव से पहले गठबंधन और सीटों के तालमेल की सुगबुगाहट
◆बहुमत के आंकड़े के लिए सियासी दल तैयार कर रहे प्लान-बी
◆70 सीटों वाले उत्तराखंड में एकला चलो या चुनावी साझेदारी
◆छोटे दलों और निर्दलीयों की भूमिका पर होने लगा मंथन तेज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 अभी कुछ महीने दूर है, लेकिन राजनीतिक दलों ने चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। भाजपा और कांग्रेस जहां अपने-अपने बूथ संगठन को मजबूत करने में जुटी हैं, वहीं पर्दे के पीछे संभावित गठबंधनों और सीटों के तालमेल को लेकर चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है। हालांकि अभी तक किसी बड़े दल ने औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं की है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि चुनाव नजदीक आते-आते कई सीटों पर रणनीतिक समझौते देखने को मिल सकते हैं। उत्तराखंड की 70 विधानसभा सीटों में बहुमत का आंकड़ा 36 है। ऐसे में हर सीट का महत्व बढ़ जाता है और यही वजह है कि दल अब जीतने की क्षमता वाले उम्मीदवारों के साथ-साथ संभावित चुनावी साझेदारों के विकल्प भी तलाश रहे हैं।

प्रदेश में भले ही मुकाबला मुख्य रूप से भाजपा और कांग्रेस के बीच हो, लेकिन कई सीटों पर क्षेत्रीय दल, निर्दलीय और स्थानीय प्रभाव वाले नेता चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इसी कारण प्रमुख दल ऐसे क्षेत्रों का आकलन कर रहे हैं, जहां सीधे मुकाबले के बजाय तालमेल अधिक लाभकारी साबित हो सकता है। चर्चा है कि कुछ क्षेत्रीय दल अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में सम्मानजनक सीटों की मांग रख सकते हैं, जबकि बड़े दल भी वोटों के बिखराव को रोकने के लिए सीमित स्तर पर समझौते का विकल्प खुला रखना चाहते हैं।

कांग्रेस संगठन विस्तार के साथ-साथ विपक्षी मतों के एकीकरण की रणनीति पर भी काम कर रही है। पार्टी के भीतर यह आकलन किया जा रहा है कि किन सीटों पर स्थानीय सामाजिक समीकरणों के आधार पर सहयोगी दलों या प्रभावशाली नेताओं के साथ तालमेल लाभदायक हो सकता है। हालांकि प्रदेश नेतृत्व की ओर से अभी गठबंधन को लेकर कोई आधिकारिक संकेत नहीं दिया गया है। दूसरी ओर भाजपा का फोकस फिलहाल संगठन और बूथ प्रबंधन पर दिखाई दे रहा है। पार्टी नेतृत्व कार्यकर्ताओं के माध्यम से गांव-गांव तक पहुंच बढ़ाने और सत्ता विरोधी माहौल को सीमित करने की रणनीति पर काम कर रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा की प्राथमिकता फिलहाल अपने दम पर चुनाव लड़ने की होगी, लेकिन स्थानीय स्तर पर समीकरणों पर नजर बनाए रखी जाएगी।

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि टिकट वितरण और गठबंधन की रणनीति एक-दूसरे से जुड़ी होगी। यदि किसी सीट पर संभावित सहयोगी दल को स्थान दिया जाता है तो वहां टिकट के दावेदारों की नाराजगी भी सामने आ सकती है। इसलिए दल पहले आंतरिक सर्वे, जीत की संभावना और स्थानीय समीकरणों का आकलन कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार प्रमुख दल कुमाऊं और गढ़वाल मंडलों के लिए अलग-अलग रणनीति तैयार कर रहे हैं, जिन सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होने की संभावना है, वहां गठबंधन की चर्चा अधिक है, जबकि सीधी टक्कर वाली सीटों पर दल अपने मजबूत प्रत्याशी उतारने के पक्ष में हैं।

सऊदी अरब ने कच्चे तेल की कीमतें 11 डॉलर प्रति बैरल घटाई !

संवाददाता

नई दिल्ली। सऊदी अरब ने एशिया के अपने सबसे बड़े ग्राहकों के लिए कच्चे तेल की कीमतों में 11 डॉलर प्रति बैरल की भारी कटौती कर दी है। पिछले 26 साल में सऊदी अरब द्वारा की गई यह अब तक की सबसे बड़ा प्राइस कट है। बाजार के जानकारों को उम्मीद थी कि कीमतों में करीब 8 डॉलर की कमी हो सकती है, लेकिन सऊदी अरामको के इस फैसले ने सभी अनुमानों को पीछे छोड़ दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में इस भारी गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह स्टेट ऑफ हार्मुज का दोबारा खुलना है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव खत्म होने और रास्ते से रुकावटें हटने के बाद, इस मुख्य समुद्री रास्ते से तेल की सप्लाई फिर से तेजी से शुरू हो गई है। इस रास्ते के बंद होने से जो ग्लोबल सप्लाई रुकी हुई थी, वह अब अचानक बाजार में आ गई है। इसी वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड फिसलकर 72 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया है, जो फरवरी के बाद का सबसे निचला स्तर है। सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी 'सऊदी अरामको' ने अपने मुख्य 'अरब लाइट' क्रूड की कीमतों को क्षेत्रीय बेंचमार्क से 1.50 डॉलर डिस्काउंट (कम) पर बेचने का फैसला किया है।

युद्ध के दौरान सऊदी अरब ने होर्मुजका रास्ता बंद होने के डर से अपने तेल की सप्लाई को लाल सागर के यानबू पोर्ट पर शिफ्ट कर दिया था। सप्लाई में तेजी: अब हालात सामान्य होने के बाद, अरामको ने अपने मुख्य पर्शियन गल्फ पोर्ट 'रस तनुरा' से दोबारा एक्सपोर्ट शुरू कर दिया है। कंपनी अपनी सप्लाई को युद्ध-पूर्व के 90% के स्तर पर ले आई है। ओपेक देशों की रणनीति और बढ़ता कॉम्पिटिशन सऊदी अरब और रूस की अगुवाई वाले ओपेक संगठन ने अगस्त महीने से तेल उत्पादन के कोटे में मामूली बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। युद्ध के समय जब रास्ते बंद थे, तब ओपेक देशों द्वारा उत्पादन बढ़ाना सिर्फ कागजी लग रहा था क्योंकि तेल बाहर भेजने के रास्ते सीमित थे। अब होर्मुज का रास्ता पूरी तरह साफ होने के बाद सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे बड़े तेल उत्पादक देश अपनी बढ़ी हुई क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।